तरक्की | निर्यात में बड़े जिलों का दबदबा हुआ कम, औरैया, फतेहपुर, बाराबंकी जिले निर्यात में बढ़ रहे आगे

छोटे जिले निर्यात में दिखाने लगे हैं दमखम

■ अजित खरे

लखनऊ। यूपी में आर्थिक हैसियत के मोर्चे पर आगे बढ़ रहे छोटे जिले अब निर्यात के मामले में अपना जलवा बिखेर रहे हैं। पश्चिमी यूपी के संभल से लेकर पूर्वांचल के चंदौली तक हाल के वर्षों में निर्यात की रफ्तार में तेजी आई है। कौशांबी ने 1247.21 प्रतिशत व जालौन ने 998.51 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। यूपी सरकार की हाल में आई जिलेवार जीडीपी रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए हैं।

देखने में आया है कि चंदौली से चावल का निर्यात बढ़ा है तो पान के लिए प्रसिद्ध महोबा के पान के पत्ते देश के बाहर भी कीर्ति बिखेर रहे हैं। फतेहपुर से आलू आधारित खाद्य उत्पाद का निर्यात बढ़ा है तो साथ ही हैंडप्रिंटिंग की भी मांग है। इसकी विदेशों में मांग बढ़ रही है।

मेरठ ,कानपुर जैसे बड़े केंद्रों से निर्यात में गिरावट : वर्ष 2022-23 के मुकाबले वर्ष 2023-24 में कई अहम जिलों से निर्यात में गिरावट दर्ज हुई है। मुजफ्फरनगर में जहां निर्यात में 45.09 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई तो वहीं मेरठ यह आंकड़ा 24 प्रतिशत का है। बुलंदशहर में निर्यात में 46.83 प्रतिशत, फर्रुखाबाद में 36.44 प्रतिशत कानपुर में 0.05 प्रतिशत, कुशीनगर में 59.30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

■ जिलेवार जीडीपी रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए

■ कुछ बड़े शहरों से होने वाले निर्यात में कमी आई है

खास बातें

- यूपी से वर्ष **2021-22** में **156897.39** करोड़ रुपये का माल निर्यात हुआ
- वर्ष **2022-23** में **174037.01** करोड़ रुपये का निर्यात किया गया
- वर्ष **2023-24** में केवल **170340.95** करोड़ ही दर्ज हो पाया।
- यूपी का निर्यात के मामले में पांचवां स्थान है और **100** से अधिक वस्तुएं निर्यात करता है।
- रामपुर के रंगीन आभूषणों से कढ़े परिधानों की मांग बढ़ी

ये जिले आगे

(राशि करोड़ रुपये में)

जिले	2022-23	2023-24	वृद्धि दर%
संभल	2082.81	2211.43	6.68
रामपुर	1843.99	2107.04	14.27
कासगंज	2.70	7.38	173.48
औरया	25.77	88.29	242.63
उन्नाव	3837.29	4116.00	7.28
फतेहपुर	53.42	108.12	102.39
जालौन	0.12	1.32	998.51
महोबा	9.20	36.04	291.71
कौशाम्बी	0.08	1.08	1247.21
चंदौली	281.83	556.54	97.47